Ae Mere Praan Preetam Mere Sanware Bhajan Lyrics in Hindi English

Ae Mere Praan Preetam Mere Sanware Bhajan Lyrics in Hindi

ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे,
मुझको तेरे सिवा कुछ,
नहीं चाहिए,
तेरे दर की मिले जो,
गुलामी मुझे,
दो जहाँ की हुकूमत,
नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे,
मुझको तेरे सिवा।।

तेरे गम से बड़ी है,
मोहब्बत मुझे,
मुझको झूठी मुसर्रत,
नहीं चाहिए,
है मसीहा मेरे मैं,
वो बीमार हूँ,
जिसको दुनिया की राहत,
नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे,
मुझको तेरे सिवा।।

मेरी शान-ए-फकीरी,
सलामत रहे,
मेरे दिल में तुम्हारी,
मोहब्बत रहे,
मेरे दिल पे तेरी,
बादशाहत रहे,

मुझको इसके सिवा,
कुछ नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे,
मुझको तेरे सिवा।।

तेरी करुणा पे मुझको,
बड़ा नाज है,
मैं हूँ चाकर तू मेरा,
सरताज है,
दूर कर दे जो सांवल,
तेरे प्यार से,
ऐसी शान और शौकत,
नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे,
मुझको तेरे सिवा।।

ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे,
मुझको तेरे सिवा कुछ,
नहीं चाहिए,
तेरे दर की मिले जो,
गुलामी मुझे,
दो जहाँ की हुकूमत,
नहीं चाहिए,
ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे साँवरे,
मुझको तेरे सिवा।।

Ae Mere Praan Preetam Mere Sanware Bhajan Lyrics in English

Ai mere praan preetam mere saavre,
Mujhko tere siwa kuch,
Nahi chahiye,
Tere dar ki mile jo,

Gulami mujhe,
Do jahan ki hukoomat,
Nahi chahiye,
Ai mere praan preetam mere saavre,
Mujhko tere siwa.

Tere gham se badi hai,
Mohabbat mujhe,
Mujhko jhoothi musarrat,
Nahi chahiye,
Hai Masiha mere main,
Woh beemaar hoon,
Jisko duniya ki rahat,
Nahi chahiye,
Ai mere praan preetam mere saavre,
Mujhko tere siwa.

Meri shaane-fakeeri,
Salaamat rahe,
Mere dil mein tumhari,
Mohabbat rahe,
Mere dil pe teri,
Badshahat rahe,
Mujhko iske siwa,
Kuch nahi chahiye,
Ai mere praan preetam mere saavre,
Mujhko tere siwa.

Teri karuna pe mujhe,
Bada naaz hai,
Main hoon chaakar tu mera,
Sartaaj hai,
Door kar de jo saanwal,
Tere pyaar se,
Aisi shaaan aur shaukat,
Nahi chahiye,
Ai mere praan preetam mere saavre,
Mujhko tere siwa.

Ai mere praan preetam mere saavre,
Mujhko tere siwa kuch,
Nahi chahiye,
Tere dar ki mile jo,
Gulami mujhe,
Do jahan ki hukoomat,
Nahi chahiye,
Ai mere praan preetam mere saavre,
Mujhko tere siwa.

About Ae Mere Praan Preetam Mere Sanware Bhajan in English

“Ae Mere Praan Preetam Mere Sanware” is a deeply devotional and soulful bhajan, which expresses intense love, surrender, and longing for the divine. The lyrics reflect a devotee’s complete submission to God, acknowledging Him as the sole source of solace and strength. This bhajan is dedicated to Lord Krishna, often referred to as ‘Pritam’ (beloved) and ‘Sanware’ (the one who beautifies life), highlighting the devotee’s unshakable faith and devotion.

The song emphasizes the idea that material wealth, power, and worldly pleasures are of no value to someone who seeks the eternal love and grace of the divine. The devotee sings about preferring the humble life of servitude at the divine’s doorstep over any worldly kingdom or comfort. The lyrics convey a sense of deep emotional connection and surrender to God, seeking His love and mercy as the ultimate reward.

Each line in the bhajan invokes the essence of spiritual devotion and selflessness, underlining the belief that divine love transcends everything. The bhajan is a beautiful expression of a pure, unconditional love for God, offering a sense of peace, contentment, and spiritual fulfillment for the devotee. Its simple yet profound words resonate deeply with anyone on a spiritual path.

About Ae Mere Praan Preetam Mere Sanware Bhajan in Hindi

“ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे” भजन के बारे में:

“ऐ मेरे प्राण प्रीतम मेरे सांवरे” एक अत्यधिक भक्ति भाव से ओत-प्रोत भजन है, जो भगवान के प्रति गहरी श्रद्धा, समर्पण और प्रेम को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान श्री कृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति की भावना को दर्शाता है, जिन्हें ‘प्रीतम’ (प्रिय) और ‘सांवरे’ (जो जीवन को सुंदर बनाते हैं) के रूप में संबोधित किया गया है। इस भजन में भक्त भगवान के प्रति अपनी पूरी निष्ठा और विश्वास व्यक्त करता है, यह स्वीकार करते हुए कि भगवान ही उसकी शांति और शक्ति का स्रोत हैं।

भजन के बोल यह बताते हैं कि भौतिक सुख, संपत्ति और साम्राज्य किसी भी भक्त के लिए उस दिव्य प्रेम और कृपा के आगे महत्वहीन हैं, जिसे वह भगवान से प्राप्त करना चाहता है। भक्त इस भजन के माध्यम से भगवान के दर पर गुलामी को अपनी सर्वोत्तम स्थिति मानते हुए, सांसारिक सुख-सुविधाओं को तिलांजलि दे देता है।

यह भजन भगवान के प्रति निराकार और निस्वार्थ प्रेम का सुंदर और सशक्त अभिव्यक्तिकरण है। इसके सरल, लेकिन गहरे शब्द भक्त के मन में शांति, संतुष्टि और आध्यात्मिक उन्नति का अनुभव कराते हैं, और यह हर भक्त को अपने आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।